जीवन का सच

▶ ऊषा शुक्ला, इश्क़को आँवला बरेली यूपी

उम्मीद देकर भरोसा नहीं तोड़ना चाहिए

इंसान की जिंदगी उम्मीदों पर टिकी होती है। जब कोई व्यक्ति हमें उम्मीद देता है, तो हम उसके शब्दों पर विश्वास कर लेते हैं। यही विश्वास धीरे-धीरे भरोसे में बदल जाता है। लेकिन जब वही व्यक्ति उस भरोसे को तोड़ देता है, तो केवल एक वादा नहीं टूटता— बल्कि दिल, रिश्ते और विश्वास की नींव भी हिल जाती है। इसलिए कहा जाता है कि "उम्मीद देना आसान है, लेकिन उसे निभाना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।"

उम्मीद और भरोसा क्या है?-उम्मीद एक सकारात्मक भावना है, जो हमें आगे बढ़ने की ताकत देती है। यह वह रोशनी है जो अंधेरे में भी रास्ता दिखाती है। वहीं भरोसा एक गहरी भावना है, जो किसी के शब्दों और कर्मों पर विश्वास करने से पैदा होती है।

जब कोई हमें कहता है-'मैं तुम्हारे साथ हूँ ', 'सब ठीक हो जाएगा ', या 'मैं ये काम जरूर करूँगा ', तो हम उसके शब्दों को दिल से स्वीकार कर लेते हैं। यह स्वीकार्यता ही भरोसे की शुरुआत होती है।

उम्मीद देना क्यों संवेदनशील जिम्मेदारी है?-किसी को उम्मीद देना सिर्फ एक वाक्य बोलना नहीं है, बल्कि यह एक वादा होता है। जब हम किसी को उम्मीद देते हैं, तो हम उसके दिल में आशा का दीप जलाते हैं। लेकिन अगर हम उस दीप को बुझा देते हैं, तो व्यक्ति अंधेरे में अकेला रह जाता है।

कई बार लोग बिना सोचे-समझे उम्मीद दे देते हैं-

* **'मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगा।**
* **'मैं तुम्हें कभी दुख नहीं दूँगा।**
* **'मैं तुम्हारी हर समस्या हल कर दूँगा।**

लेकिन जब ये बातें केवल शब्द बनकर रह जाती हैं और हकीकत में पूरी नहीं होतीं, तो सामने वाला व्यक्ति टूट जाता है।

भरोसा टूटने का दर्द-भरोसा टूटने का दर्द बहुत गहरा होता है। यह केवल एक घटना नहीं होती, बल्कि यह व्यक्ति के आत्मविश्वास और रिश्तों के प्रति विश्वास को भी कमजोर कर देता है।

जब किसी का भरोसा टूटता है, तो-

* वह दूसरों पर विश्वास करना बंद कर देता है
* हर रिश्ते में डर महसूस करता है
* खुद को अकेला और असुरक्षित महसूस करता है
* कभी-कभी खुद को दोष देने लगता है

यह दर्द इतना गहरा होता है कि कई बार व्यक्ति लंबे समय तक उससे उबर नहीं पाता।

रिश्तों में भरोसे की अहमियत-हर रिश्ता—चाहे वह पति-पत्नी का हो, माता-पिता और बच्चों का हो, या दोस्ती का—भरोसे की नींव पर टिका होता है। अगर भरोसा मजबूत है, तो रिश्ता भी मजबूत रहता है।

पति-पत्नी का रिश्ता:- अगर एक साथी दूसरे को उम्मीद देता है कि वह हमेशा साथ रहेगा, लेकिन समय आने पर साथ छोड़ देता है, तो यह रिश्ता टूट सकता है।

दोस्ती का रिश्ता:- दोस्त अगर जरूरत के समय साथ न दे, तो दोस्ती का अर्थ ही खत्म हो जाता है।

माता-पिता और बच्चों का रिश्ता:-जब बच्चे अपने माता-पिता की बातों पर भरोसा करते हैं और वही भरोसा टूटता है, तो उनके मन में गहरा असर पड़ता है।

उम्मीद देना कब सही है?-उम्मीद देना गलत नहीं है, लेकिन इसे सोच-समझकर देना चाहिए। हमें तभी उम्मीद देनी चाहिए जब-

* हम उसे पूरा करने की क्षमता रखते हों
* हम उसके लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर सकते हों
* हम परिस्थिति को समझते हों

अगर हम किसी की मदद नहीं कर सकते, तो झूठी उम्मीद देने से बेहतर है सच्चाई बता देना।

झूठी उम्मीद क्यों खतरनाक है?-झूठी उम्मीद एक मीठा झूठ होती है, जो शुरुआत में अच्छा लगता है लेकिन अंत में बहुत कड़वा साबित होता है।

* यह व्यक्ति को गलत दिशा में ले जाती है
* समय और भावनाओं की बर्बादी होती है
* व्यक्ति वास्तविकता से दूर हो जाता है
* अंत में निराशा और दुख कई गुना बढ़ जाता है

सच्चाई और स्पष्टता का महत्व-अगर हम किसी को उम्मीद नहीं दे सकते, तो हमें साफ-साफ कह देना चाहिए। सच्चाई कभी-कभी कड़वी लगती है, लेकिन वह लंबे समय में सही साबित होती है।

उदाहरण के लिए-अगर कोई दोस्त आपसे मदद मांगता है और आप मदद नहीं कर सकते, तो उसे झूठी उम्मीद देने के बजाय सच्चाई बता देना बेहतर है।

भरोसा बनाने के तरीके- भरोसा एक दिन में नहीं बनता, बल्कि समय और निरंतरता से बनता है।

भरोसा बनाने के लिए-अपने शब्दों और कर्मों में समानता रखें, जो कहें, उसे निभाने की कोशिश करें, ईमानदार रहें, छोटी-छोटी बातों में भी सच्चाई बनाए रखें। अगर भरोसा टूट जाए तो क्या करें?- भरोसा टूटने के बाद उसे वापस पाना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन असंभव नहीं। अपनी गलती स्वीकार करें, दिल से माफी मांगें। अपने व्यवहार में बदलाव लाएं।

समय दें और धैर्य रखें। लेकिन यह भी सच है कि हर टूटा हुआ भरोसा वापस नहीं जुड़ पाता।जब भरोसा टूट जाता है, तो सबसे ज्यादा दर्द दिल को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी होता है। ऐसा लगता है जैसे ज़मीन खिसक गई हो। लेकिन यही वह समय होता है जब हमें समझदारी से खुद को संभालना होता है आइए इसे सरल और सच्चे तरीके से समझते हैं— दर्द को स्वीकार करें, दबाएँ नहीं–भरोसा टूटने पर दुख, गुस्सा, निराशा—ये सब भावनाएँ आना बिल्कुल स्वाभाविक है। खुद से यह मत कहिए कि 'मुझे दुख नहीं होना चाहिए। जो महसूस हो रहा है, उसे महसूस करना ही healing की शुरुआत है।*तुरंत निर्णय लेने से बचें—अक्सर हम गुस्से या दुख में बड़े फैसले ले लेते हैं—रिश्ता तोड़ देना, बात बंद कर देना, या कठोर शब्द कह देना। शांत दिमाग से सोचना ज़रूरी है, क्योंकि उस समय भावनाएँ हावी होती हैं, समझ नहीं।कारण समझने की कोशिश करें—हर भरोसा टूटने के पीछे कोई न कोई कारण होता है। गलतफहमी, झूठ, अपेक्षाओं का टूटना, या किसी की कमजोरी।

अगर संभव हो, तो सामने वाले से बात करके सच्चाई जानें । खुलकर बातचीत करें—अगर रिश्ता आपके लिए महत्वपूर्ण है, तो चुप रहने के बजाय बात करना ज़रूरी है।अपनी भावनाएँ साफ-साफ बताएं, 'तुम हमेशा ऐसा करते हो' जैसे आरोपों से बचें, 'मुझे ऐसा लगा' इस तरह से बात रखें इससे सामने वाला भी अपनी बात समझा पाएगा। माफ करना सीखें (लेकिन भूलना जरूरी नहीं माफ करना सामने वाले के लिए नहीं, बल्कि अपने मन की शांति के लिए होता है।

याद रखें:-माफ करना का मतलब यह नहीं कि आप फिर से वही भरोसा तुरंत कर लें। भरोसा दोबारा बनाने में समय लगता है। अगर किसी ने आपका भरोसा तोड़ा है, तो अब आपको अपने लिए सीमाएँ बनानी होंगी कितना भरोसा करना है, कितनी दूरी रखनी है क्या स्वीकार करना है और क्या नहीं। यह आपको फिर से टूटने से बचाता है। खुद को दोष देना बंद करें

अक्सर हम सोचते हैं- 'शायद मेरी गलती थी' 'मैंने ही ज्यादा भरोसा कर लिया '। लेकिन सच यह है:- *भरोसा करना आपकी कमजोरी नहीं, आपकी खूबसूरती है।* गलती उस व्यक्ति की है जिसने उसे तोड़ा। . खुद पर भरोसा दोबारा बनाएं—किसी और पर भरोसा टूटने के बाद सबसे जरूरी है—खुद पर भरोसा रखना। खुद को समय दे।। अपनी पसंद की चीजें करें अपने अंदर की ताकत को पहचानें जब आप खुद पर भरोसा करेंगे, तब ही दूसरों पर भी धीरे-धीरे भरोसा कर पाएंगे। हर किसी को एक जैसा मत समझें- एक व्यक्ति ने धोखा दिया, इसका मतलब यह नहीं कि पूरी दुनिया वैसी ही है।

अगर आप हर रिश्ते में डर लेकर जाएंगे, तो अच्छे रिश्ते भी बन नहीं पाएंगे। अगर रिश्ता बच सकता है तो प्रयास करें—कुछ रिश्ते इतने महत्वपूर्ण होते हैं कि उन्हें एक गलती पर छोड़ना सही नहीं होता। अगर सामने वाला अपनी गलती मानता है । बदलने की कोशिश करता है। आपके दर्द को समझता है तो उस रिश्ते को एक मौका देना गलत नहीं है। भरोसा टूटना अंत नहीं है, बल्कि एक सीख है। यह हमें सिखाता है— किस पर, कितना और कैसे भरोसा करना है।*याद रखें:*—* 'टूटे हुए भरोसे से इंसान कमजोर नहीं होता, बल्कि वह पहले से ज्यादा समझदार बन जाता है। 'उम्मीद देना आसान है, लेकिन उसे निभाना ही असली इंसानियत है। ' *हमें अपने शब्दों का मूल्य समझना चाहिए। हमारे शब्द किसी के लिए जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, इसलिए उन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए।

उम्मीद और भरोसा किसी भी रिश्ते की सबसे मजबूत नींव होते हैं। अगर हम किसी को उम्मीद देते हैं, तो हमें उसे निभाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

क्योंकि-'भरोसा टूटने की आवाज़ नहीं होती,* *लेकिन उसकी गूंज पूरी जिंदगी सुनाई देती है। '*

इसलिए, जब भी आप किसी को उम्मीद दें, तो सोच-समझकर दें। अगर हम निभा नहीं सकते, तो वादा ही न करें। क्योंकि सच्चा रिश्ता वही होता है, जहाँ शब्दों से ज्यादा कर्म बोलते हैं और उम्मीदों से ज्यादा विश्वास निभाया जाता है।

बेंगलुरु के जल संकट ने प्लम्बेक्स इंडिया 2026 में

भारत के प्लंबिंग और जल उद्योग को दिलाई प्रमुखता

नेतृत्वकर्ता और नवप्रवर्तक बेंगलुरु में भारत के शहरी जल समाधानों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एकत्रित हो रहे कार्यक्रम का उद्घाटन 16 अप्रैल को डॉ. राम प्रसाद मनोहर, आईएएस, अध्यक्ष - BWSSB और एमडी (अतिरिक्त प्रभार), KPTCL, तथा महेश कुमार खेतान, निदेशक, सत्त्वा ग्रुप द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया जाएगा

- उद्योग प्रदर्शनी : 200+ से अधिक कंपनियां प्लंबिंग और जल तकनीक में नवीनतम उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी
- ज्ञान सत्रः नीति-निर्माताओं, इंजीनियरों और सतत विकास विशेषज्ञों के साथ चर्चा मंच आयोजित
- राष्ट्रीय और स्थानीय प्रवक्ता : गुरमीत सिंह अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन और बालकृष्ण मेहता, बेंगलुरु चैप्टर, इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन
- आईपीए एक्सीलेंस अवॉर्ड्सः इस क्षेत्र में नेतृत्व और नवाचार के लिए सम्मान प्रदान किया जाएगा
- आईपीए बाथरूम चैलेंज : सतत बाथरूम समाधानों पर केंद्रित एक डिज़ाइन प्रतियोगिता
- अराउंड द ड्रॉप : वास्तुकला समुदाय के साथ जिम्मेदार जल उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक डिज़ाइन आधारित प्रतियोगिता बेंगलुरु, जैसे-जैसे भारतीय शहर बढ़ते जल संकट से जूझ रहे हैं, प्लम्बेक्सइंडिया 2026, जो जल, प्लंबिंग और स्वच्छता के लिए भारत का सबसे बड़ा मंच है, 16 से 18 अप्रैल तक बेंगलुरु में बैंगलोर इंटरनेशनल एग्जिबिशन सेंटर (बीआईईसी) में नीति-निर्माताओं, औद्योगिक नेतृत्वकर्ता, इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाएगा.

इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब बेंगलुरु जैसे शहर तेजी से हो रहे शहरीकरण, भूजल के क्षरण और पुरानी अवसंरचना के कारण जल संसाधनों पर गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं. कार्यक्रम का उद्घाटन 16 अप्रैल को डॉ. राम प्रसाद मनोहर, आईएएस, अध्यक्ष - बेंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा किया जाएगा, साथ ही महेश कुमार खेतान, निदेशक, सत्त्वा ग्रुप, मुख्य अतिथि के रूप में अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे.

200 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम भारत के विस्तारित होते शहरी परिदृश्य के लिए मजबूत जल प्रणालियां विकसित करने में सहायक तकनीकों, नीतियों और प्रथाओं पर चर्चा करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा.

जल सुरक्षा के लिए सरकार-उद्योग सहयोग प्लम्बेक्सइंडिया 2026 को भारत सरकार के दो प्रमुख मंत्रालयों—आवास और शहरी कार्य मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय—का समर्थन प्राप्त है, जो सतत शहरी विकास और जल प्रबंधन से जुड़ी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ इस कार्यक्रम के सामंजस्य को दर्शाता है.

प्रमुख शैक्षणिक और औद्योगिक संस्थानों के विशेषज्ञ—जिनमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), आईसीईआर, बायोम एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस, ब्रिगेड ग्रुप, सोभा लिमिटेड, वाईवी आर्किटेक्ट्स, आदित्य बिल्डिंग सर्विस कंसल्टेंट्स, गेबेरिट इंडिया, चिर्नोय डिजाइन, और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तिरुपति शामिल हैं—डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर्स के साथ एक मंच पर आएंगे. परिचर्चाएं व्यावहारिक समाधानों पर केंद्रित होंगी, जिनमें जल-कुशल प्लंबिंग सिस्टम से लेकर सतत भवन डिज़ाइन तक शामिल हैं, और ये 'प्लंबिंग क्षेत्र के विकास और पुनर्परिभाषा में महिला नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना' तथा 'भविष्य के लिए तैयार भारत हेतु जल सुरक्षा का अधिआत्रिकीकरण 'जैसे विषयों के अंतर्गत आयोजित की जाएंगी.

गुरमीत सिंह अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन ने कहा, 'भारत की जल चुनौती के समाधान के लिए नीति, अभियात्रिकी और कार्यान्वयन के बीच सहयोग आवश्यक है. प्लम्बेक्सइंडिया का बेंगलुरु संस्करण एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहाँ ये चर्चाएँ वास्तविक दुनिया के समाधानों में परिवर्तित हो सकती हैं।

बालकृष्ण मेहता, अध्यक्ष, बेंगलुरु चैप्टर, इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन ने कहा, 'मेज़बान शहर के रूप में बेंगलुरु का चयन जल से जुड़ी चर्चा की तत्कालिकता को दर्शाता है. शहरी भारत इस समय इस बात को लेकर एक निर्णायक मोड़ पर है कि वह जल का प्रबंधन कैसे करता है. प्लम्बेक्सइंडिया जैसे मंच उद्योग और नीति-निर्माताओं को एक साथ लाकर भविष्य के लिए विस्तार योग्य समाधान तैयार करने में सक्षम बनाते है.

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन (आईपीए) और कंसोर्टियम ऑफ एक्रेडिटेड हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन्स (सीएचएओ) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होगा, जिसका उद्देश्य भारत के स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना में जल और स्वच्छता मानकों को सुदृढ़ करना है.

प्लम्बेक्स इंडिया के बारे में- वर्ष 2008 में अपनी स्थापना के बाद से, प्लम्बेक्सइंडिया भारत की सबसे बड़ी प्रदर्शनी और विचार-विमर्श मंच है, जो प्लंबिंग, जल और स्वच्छता तकनीकों पर केंद्रित है. इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन द्वारा किया जाता है, जो निर्मित पर्यावरण में पेशेवर मानकों, शिक्षा और सतत जल प्रथाओं को बढ़ावा देने वाली सर्वोच्च संस्था है.

कार्यक्रम विवरण (Event Details):
दिनांक : 16अप्रैल, 17 अप्रैल, 18 अप्रैल, 2026
स्थान: हॉल 4, बीआईईसी, बेंगलुरु
वेबसाइट: प्लम्बेक्स इंडिया; प्लम्बेक्स इंडिया प्रदर्शनी 2026
इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन
मीडिया संपर्क: 3 एम मीडिया वर्क्स
विजयलक्ष्मी पांडे / प्रशांत गायकवाड़
9880717358, 9945277756

आत्मचिंतन:

संसार के मेले में सबसे प्रेम और सद्भाव जरूरी

सबसे मिलकर हेत प्रेम से परोपकारी जीवन जिएं

यह विचार वाकई बहुत गहरा और सुंदर है। जीवन की नश्वरता और मानवीय रिश्तों की अहमियत को यह वाक्य बहुत ही सरल शब्दों में समेट लेता है। आइए मैं श्रीमती दिव्या रावत गर्ग उज्जै आज संसार एक मेला है विषय पर केंद्रित लघु आलेख पेश कर रही हूं आशा है कि आपको पसंद आयेगा।

प्रेम और सद्भाव का महत्व: क्षणिकता का बोधः जिस तरह मेले में हम कुछ समय के लिए आते हैं और फिर बिछड़ जाते हैं, वैसे ही इस संसार में हमारा समय सीमित है। जब हम इस बात को स्वीकार कर लेते हैं, तो अहंकार और कड़वाहट अपने आप कम होने लगती है।

सकारात्मकता का प्रसार: प्रेम और मधुर व्यवहार न केवल दूसरों को खुशी देता है, बल्कि हमारे अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी एक वरदान है। यादों की पूंजीः अंत में हमारे पास केवल वही यादें बचती हैं जो हमने दूसरों के साथ प्यार से बिताई होती हैं।

'हँसकर जीना ही दस्तूर-ए-दुनिया है, क्योंकि ये मेला फिर कभी नहीं सजने वाला: मेले की भीड़ में बच्चा जब तक अपनों का हाथ पकड़ कर चलता है, उसे मेला बहुत सुंदर और चमकदार लगता है..पर यदि वह अपनों से बिछड़ जाये तो वही मेला उसे डरावना और नीरस लगने लगता है...हम सब की स्थिति भी, संसार के मेले में, यही है, जब तक हम अपनों से जुड़े हैं, उनका हाथ थामे हैं, संसार हमें बहुत सुंदर लगता है, पर कोई अपना रूठ हो जाये, बिछड़ जाये तो संसार की

सारी जगमग समाप्त हो जाती है...सच में हम सभी एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं इसलिए अपनों का हाथ सदा थामे रखिये।

श्रीमती दिव्या रावत गर्ग उज्जै
श्री गर्गवास राजबेरा, राजस्थान

गर्ल्स कालेज में नारी शक्ति वंदन पर केंद्रित लाइव का प्रसारण

मंडला--शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय मंडला मप्र में प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे के संरक्षण तथा नोडल अधिकारी सुश्री पूजा टेमरे व डा अंजली पंड्या के संयोजन में माननीय प्रधानमंत्री महोदय की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कालेज में सभी को दिखाया गया।

इस कार्यक्रम में अधिनियम की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रबुद्ध वक्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति अब सिर्फ चर्चा नहीं, बल्कि देश की दिशा तय करने वाली असली ताकत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से 2023 में पास हुआ नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को 33% भागीदारी का अधिकार देता है–और अब 2011 के डेटा से इसे लागू करने का रास्ता भी साफ हो गया है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत की लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस पहल है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के बहुतायत में महत्व हैं।नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% (एक-तिहाई) सीटें आरक्षित करता है।

यह ऐतिहासिक कानून सितंबर 2023 में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। यह आरक्षण 2029 के चुनावों से प्रभावी होने की संभावना है, जिससे 543 सीटों में भी वृद्धि होगी,और लोकसभा में महिलाओं की संख्या में 33 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। इससे नारी सशक्तिकरण की दिशा में जबरदस्त सफलता मिलेगी।

समस्त स्टाफ व छात्राओं की उपस्थिति रही।स्वयं प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने पूरे समय उपस्थित रहकर प्रसारण देखा।

नारी शक्ति वंदन-अभिनंदन प्रो. शरद नारायण खरे

मंडला--शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय मंडला मप्र में प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे के संरक्षण तथा नोडल अधिकारी सुश्री पूजा टेमरे व डा अंजली पंड्या के संयोजन --संयोजन में शानदार आयोजन संपन्न हुआ,जिसमें डा आराधना दुबे व डीके रोहितास की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

माननीय प्रधानमंत्री महोदय की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कालेज में सभी को दिखाया गया। तत्पश्चात आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि नारी शक्ति अब सिर्फ चर्चा नहीं, बल्कि देश की दिशा तय करने वाली असली ताकत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से 2023 में पास हुआ नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को 33% भागीदारी का अधिकार देता है–और अब 2011 के डेटा से इसे लागू करने का रास्ता भी साफ हो गया है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत की लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस पहल है।नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के बहुतायत में महत्व हैं।नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% (एक-तिहाई) सीटें आरक्षित करता है। यह ऐतिहासिक कानून सितंबर 2023 में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। यह आरक्षण 2029 के चुनावों से प्रभावी होने की संभावना है, जिससे 543 सीटों में भी वृद्धि होगी,और लोकसभा में महिलाओं की संख्या में 33 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

यह आरक्षण 15 वर्षों के लिए लागू होगा, जिसे आगे बढ़ाया जा सकता है। यह कानून परिसीमन के बाद लागू होगा, जो 2026 के बाद संभावित है। महिलाओं को नीति-निर्माण और निर्णायक भूमिका में लाना यह कानून 2029 तक लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाएगा।अब महिलाएं केवल वोट बैंक के बजाय निर्णय लेने वाली मुख्यधारा में शामिल होंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम --वर्तमान सरकार में 18 सितंबर, 2023 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को मंजूरी दी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के उद्देश्य के संबंध में केंद्र सरकार का कहना है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से महिलाएं भी राजनीतिक निर्णय लेने में समान भागीदार बन सकेंगी।नारी शक्ति वंदन अधिनियम द्वारा संकल्प से सिद्धि तक मोदी सरकार ने महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को हकीकत बनाया है।जो नारी शक्ति वंदन का व्यावहारिक रूप है। आभार प्रदर्शन के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।